भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर में सर्कुलर इकोनॉमी पर एआईसीटीई फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

भुवनेश्वर, 16 दिसंबर 2024: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर 16 से 20 दिसंबर 2024 तक 'सर्कुलर इकोनॉमी' पर पहला एआईसीटीई फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) आयोजित कर रहा है। 5 दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन आज प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर, निदेशक, आईआईटी भुवनेश्वर ने किया। संस्थान के डीन (सतत शिक्षा) प्रोफेसर वी. पांडु रंगा, कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. दुखबंधु साहू, मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन स्कूल के प्रमुख और सह-समन्वयक डॉ. पुण्यश्री पांडा, एसोसिएट प्रोफेसर, मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन स्कूल इस अवसर पर उपस्थित थे।

इस एफडीपी का उद्देश्य रणनीतियों और नीतियों के साथ-साथ परिपत्र अर्थव्यवस्था की एक वैचारिक और सैद्धांतिक समझ विकसित करना है; नवोन्मेषी अभियानों का विश्लेषण करना, व्यवसाय मॉडल और सर्कुलर अर्थव्यवस्था प्रथाओं का पता लगाना और कुछ वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों, समर्थकों और बाधाओं, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नीतियों की जांच करना। यह उल्लेख किया जा सकता है कि चक्रीय अर्थव्यवस्था पुनर्चक्रण, पुनर्विनिर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण जैसी रणनीतियों के माध्यम से उत्पाद जीवनचक्र के लूप को बंद करके अधिक लचीली और पुनर्योजी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देती है।

इस अवसर पर बोलते हुए, प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर ने सर्कुलर इकोनॉमी के महत्व के बारे में एफडीपी के प्रतिभागियों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत की। उन्होंने सीखने की प्रक्रिया में गतिविधि-आधारित शिक्षा और सहयोग के महत्व पर भी जोर दिया, जिससे जटिल विषयों की बेहतर समझ हो सकती है।

अपने संबोधन में प्रो. वी. पांडु रंगा ने संस्थान के सतत शिक्षा अनुभाग द्वारा प्रासंगिक मॉड्यूल के माध्यम से पेशेवरों और उद्योग विशेषज्ञों को कुशल बनाने के लिए किए जा रहे उपायों पर प्रकाश डाला, जिसका स्थायी प्रभाव होगा।

कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ दुखबंधु साहू ने स्वागत भाषण दिया. डॉ. पुण्यश्री पांडा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

यह एफडीपी देश भर के प्रतिभागियों के लिए सर्कुलर इकोनॉमी के विभिन्न पहलुओं को कवर करेगा, जिसमें विशेषज्ञ सर्कुलर इकोनॉमी के सिद्धांतों, संभावनाओं और भविष्य के दृष्टिकोण पर चर्चा और विचार-विमर्श करेंगे।